Result Mitra Daily Magazine

बिटकॉइन रिजर्व

➢ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में बिटकॉइन (Bitcoin) ने 1,07,000 डॉलर के उच्चतम स्तर को छुआ।
- दरअसल नवनिर्वाचित US राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव के दौरान बिटकॉइन रणनीतिक रिजर्व बनाने की घोषणा की थी, जिससे क्रिप्टो–बुल्स का उत्साह बढ़ा।

➢ राजनीतिक रिजर्व :

- यह महत्वपूर्ण संसाधन का एक स्टॉक है, जिसे संकट या आपूर्ति व्यवधान के समय में जारी किया जाता है।
- इस प्रकार के रिजर्व का सबसे बड़ा उदाहरण USA का पेट्रोलियम रिजर्व है, जो दुनिया की आपातकालीन कच्चे तेल की सबसे बड़ी आपूर्ति है।
- इस रिजर्व को USA द्वारा 1975 में 1973–74 के अरब तेल प्रतिबंध के कारण अर्थव्यवस्था को पहुंचे आघात के बाद एक एक्ट के तहत स्थापित किया गया था।
- USA इस रिजर्व का उपयोग कई बार युद्ध एवं तूफान के दौरान (जब आपूर्ति प्रभावित होती है) कर चुका है।
- कनाडा के पास मेपल सिरप का दुनिया का एकमात्र रिजर्व है, जबकि चीन के पास दुर्लभ तत्व (धातुओं), अनाज एवं पोर्क का रणनीतिक रिजर्व मौजूद है।

➢ USA का बिटकॉइन रिजर्व :

- अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि बिटकॉइन रिजर्व किसी एक्ट द्वारा निर्मित होगा या डोनाल्ड ट्रंप इसका निर्माण किसी कार्यकारी आदेश के द्वारा करेंगे, लेकिन यह निश्चित है कि इसका प्रयोग विदेशी मुद्राओं के क्रय–विक्रय एवं बिटकॉइन को रखने के लिए किया जाएगा।
- इसके अलावा इस रिजर्व में USA के आपराधिक व्यक्तियों से जप्त किए गए बिटकॉइन भी जमा किए जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे संपत्ति की मात्रा 2,00,000 टोकन है, जिसका मूल्य 21 बिलियन डॉलर है।
- ट्रंप सरकार संभवत: ऋण जारी कर या सोने के भंडार को बेचकर रणनीतिक रिजर्व में बिटकॉइन के भंडार को बढ़ा सकती है।

➢ रिजर्व के लाभ :

- ट्रंप ने कहा था कि बिटकॉइन रिजर्व से USA को चीन से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के सामने वैश्विक बिटकॉइन बाजार में वर्चस्वता हासिल करने में मदद मिलेगा।
- ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि चूंकि बिटकॉइन की Value भविष्य में बढ़ती रहेगी, ऐसे में USA बिना कर की दरें बढ़ाए, अपने राजकोषीय घाटे को कम कर सकता है।
- इसके अलावा यह USA डॉलर को मजबूत भी बनाए रखने में मददगार होगा, जो चीन एवं रूस जैसे प्रतिस्पर्धी के सामने लाभकारी होगा।

➢ संभावित जोखिम :

- एक महत्वपूर्ण नकारात्मक पक्ष है कि बिटकॉइन का कोई आंतरिक मूल्य नहीं है, जो USA जैसी अर्थव्यवस्था के लिए बिटकॉइन को अनुपयोगी बनाता है।
- 2008 में निर्मित बिटकॉइन अभी भी बहुत अस्थिर है और इसकी कोई गारंटी नहीं है कि भविष्य में भी इसकी कीमतें बढ़ती रहेंगी।
- इसका सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह साइबर हमलों के लिए कुख्यात रूप से संवेदनशील है।
- साथ ही किसी भी सरकारी खरीद का बिटकॉइन के मूल्यों पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ सकता है।